अखण्ड शिक्षा ज्योति मेरे स्कूल से निकले मोती

शिक्षा विभाग प्रदेश के शिक्षा संस्थानों से निकले हुए विद्यार्थियों को उनकी अपनी शैक्षणिक संस्थानों (alma-mater) के साथ जोड़ने की पहल कर रहा है।

पुरानी विभूतियॉ जिनको सरकारी संस्थानों ने तराशा है उनके वह जीवन भर ऋणी हैं तथा अब शैक्षणिक संस्थानों में mentor है।

प्रदेश के शैक्षणिक स्तर को उन्नत करने व इन विभूतियों को मूर्त रूप देने वाले शिक्षकों को भी इस कार्यक्रम में सादर आमन्त्रित कर रहे हैं।

प्रदेश की शिक्षा व बच्चों के भविष्य के प्रति सभी सजग भारतवासियों को जो कहीं भी व किसी भी व्यवसाय में हो को भी हम इस नूतन व अभिनव कार्यक्रम में आमन्त्रित कर रहे है।

कार्यक्रम का स्वरूप निम्न है:–

1 ‘अखण्ड शिक्षा ज्योति मेरे स्कूल से निकले मोती’ का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री अपने प्रारम्भिक स्कूल से 08.10.2018 को कर रहे हैं।

2 माननीय मुख्य मंत्री के अतिरिक्त प्रदेश के प्रत्येक वर्तमान व पूर्व सांसद/विधायक भी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अपने अपने शैक्षणिक संस्थानों में यथासम्भव इस कार्यक्रम की शुरूआत करेंगें।

3 सम्बन्धित संस्थान ‘अखण्ड शिक्षा ज्योति मेरे स्कूल से निकले मोती’ पट्ट पर विभूतियों के नाम अंकित करेंगें।

.2.

Scanned by CamScanner

4 आदर्श स्थिति यह है कि औपचारिक कार्यक्रम के दिन उस समय के सम्बन्धित अध्यापक भी आएं।

5 अन्य बातों के अतिरिक्त–

स्कूल की वर्तमान स्थिति तथा पूर्व विद्यार्थियों को किस प्रकार से रचनात्मक तौर पर स्कूल से जोड़ा जाए, जिसकी भूमिका वर्तमान समस्याओं से की जा सकती है।

नशा–निवारण, स्वच्छता से सेवा व पौधारोपण जैसे कार्यक्रम भी किए जा सकते हैं। यह तो मात्र उदाहरण है।

सभी स्कूल अपने पुराने छात्रों व शिक्षकों के बारे में रोचक तथ्य भी इकट्ठे कर सकते हैं। सम्बन्धित एस.एम.सी. व अन्य स्थानीय लोग सहायक सिद्व हो सकते हैं।

स्थानीय कार्यक्रम की सफलता आपके अपने ऊपर निर्भर करती है। यह एक ही कार्यक्रम नहीं है अपितु कई बार किसी अन्य हस्ती के साथ हो सकता है।

स्कूल अपनी विभूतियों को document भी करेंगे।

अमेरीकी युनिवर्सिटियों से पढ़े हुए हर साल अपने अमेरिकन संस्थानों को करोड़ों डॉलर दान देते हैं तो यहां के अपने स्कूलों को अपना स्नेह व अन्य मार्गदर्शन तो दे ही सकते हैं।

(डा0 अरूण कुमार शर्मा)
सचिव (शिक्षा)
हिमाचल प्रदेश सरकार

Scanned by CamScanner